SYLLABI AND SCHEME OF EXAMINATIONS FOR MINOR COURSES

FOR UNDER GRADUATE PROGRAMS (SINGLE MAJOR / MULTIDISCIPLINARY PROGRAMS)

(Based on Curriculum and Credit Framework for UG Programs under NEP)

WITH EFFECT FROM THE SESSION 2024-25

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK (HARYANA)

SYLLABI AND SCHEME OF EXAMINATIONS FOR MINOR COURSES FOR UNDER GRADUATE PROGRAM (SINGLE MAJOR/ MULTIDISCIPLINARY PROGRAMS)

Minor Courses (MIC)/ Minor (Vocational) Course MIC(VOC)	TYPE OF PROGRAM				Credits Distribution			Total Credits	Workload			Total Workload	Marks				
	SINGLE MAJOR PROGRAM	MULTIDISCIPLINARY PROGRAM / SINGLE MAJOR PROGRAM AFTER 2nd SEMESTER OF MULTIDISCIPLINARY PROGRAM	Nomenclature of Course	Course Code	L	T	P		L	T	P		Theory		Practical		Total Marks
	SEMESTER	SEMESTER											External	Internal	Internal	External	
MIC 1 @ 4 credits	1	1	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास – 1	23HND501MI01	3	1	0	04	3	1	0	04	70	30	00	00	100
MIC 2 @ 4 credits	2	3	हिंदी का वैश्विक परिदृश्य	24HND402MI01	3	1	0	04	3	1	0	04	70	30	00	00	100
MIC 3 @ 4 credits	3	5	भारतीय ज्ञान परंपरा	25HND403MI01	3	1	0	04	3	1	0	04	70	30	00	00	100
MIC 4 (VOC) @ 4 credits	4	4	प्रवासी हिंदी साहित्य	25HND404MV01	3	1	0	04	3	1	0	04	70	30	00	00	100
MIC 5 (VOC) @ 4 credits	5	5	हिंदी सिनेमा	26HND405MV01	3	1	0	04	3	1	0	04	70	30	00	00	100

			: व्यावसायिक सन्दर्भ														
MIC 6 (VOC) @ 4 credits	6	6	पर्यावरण और हिंदी साहित्य	26HND406MV01	3	1	0	04	3	1	0	04	70	30	00	00	100

L: Lecture; T: Tutorial; P: Practical

Note:

1. The Syllabi and Scheme of Examinations (SOE) for Minor (Vocational) Courses for UG Semester 7 and Semester 8 will be same as applicable for Vocational Course in Post Graduate semester 1 and semester 2 respectively.
2. Course coding of Minor courses for Single Major Programs will be applicable for Multidisciplinary Programs/ Multidisciplinary Programs after 2nd semester irrespective of their offering in any semester.
3. The student who select any Minor Course (MIC) of any discipline in first semester should study the Minor courses (MIC) in the same discipline in the subsequent semesters. However, while exercising the option for choosing Minor Vocational Course MIC (VOC), the student may opt the discipline either related to the discipline of Minor Course or the discipline of Major Course or any other discipline as per his/her choice.

Syllabi for Minor Course

Semester 1st

Session: 2024-25

Name of Program	Not to be filled	**Program Code**	Not to be filled
Name of the Course	**हिंदी भाशा और साहित्य का इतिहास – 1**	**Course Code**	23HND501MI01
Hours per Week	**04**	**Credits**	**04**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**03 Hours**

Note:
Examiner will set nine questions and the candidates will be required to attempt five questions in all. Question number one will be compulsory containing short answer type questions from all units. Further, examiner will set two questions from each unit and the candidates will be required to attempt one question from each Unit. All questions will carry equal marks.

Course Learning Outcomes (CLO):
इतिहास के प्रति आलोचनात्मक–विश्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य–इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

Unit 1: (क) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय
1. हिंदी भाषा का उद्भव
2. हिंदी भाषा की बोलियाँ
3. हिंदी भाषा का विकास : आदिकालीन हिंदी, मध्यकालीन हिंदी, आधुनिक हिंदी

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल
1. आदिकाल : काल–विभाजन एवं नामकरण
2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

Unit 2: हिंदी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल
1. भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास
2. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

Unit 3: हिंदी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल
1. रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा
2. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

Unit 4: हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल
1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)
2. आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद,

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता) 3. गद्य विधाओं का उद्‌भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध
References: 1. हिंदी भाषा : धीरेन्द्र वर्मा 2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी 3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल 4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र 5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्‌स : डॉ. रसाल सिंह 6. हिंदी साहित्य का अतीत : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र 7. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी 8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Semester 2nd

Session: 2024-25

Name of Program	Not to be filled	**Program Code**	Not to be filled
Name of the Course	**हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य**	**Course Code**	24HND402MI01
Hours per Week	**04**	**Credits**	**04**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**03 Hours**

Note:
Examiner will set nine questions and the candidates will be required to attempt five questions in all. Question number one will be compulsory containing short answer type questions from all units. Further, examiner will set two questions from each unit and the candidates will be required to attempt one question from each Unit. All questions will carry equal marks.

Course Learning Outcomes (CLO):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा
- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा
- वार्तालाप भाषण संवाद समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा

Unit 1: विश्व में बोली जाने वाली किन्हीं दो भाषाओं का संक्षिप्त परिचयः मंदारिन, अंग्रेजी, हिन्दी, स्पेनिश, रूसी, जापानी
वैश्विक स्तर पर हिन्दी का स्थान (संक्षिप्त परिचय)
हिन्दी का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप (मॉरीशस, सूरीनाम फीजी में हिन्दी)

Unit 2: संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी का प्रयोग
हिन्दी के विकास में विश्व हिन्दी सम्मलेन की भूमिका
विश्व हिन्दी दिवस (संक्षिप्त परिचय)

Unit 3: किसी एक विश्व हिन्दी सम्मलेन की रिपोर्ट प्रस्तुति
संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी के प्रयोग पर अनुच्छेद लेखन
विश्व हिन्दी दिवस के मौके पर विज्ञापन के प्रारूप का निर्माण

Unit 4: विदेशों में हिन्दी भाषा की प्रमुख लोकप्रिय पुस्तकों की सूची बनाना
विदेशों में हिन्दी की प्रमुख लोकप्रिय फिल्में, गीत, संकलन
वैश्विक स्तर पर हिन्दी की संभावनाएँ, समूह चर्चा पर रिपोर्ट प्रस्तुति

- **References:** हिन्दी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक (डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल) लोकभारती प्रकाशन संस्करण 1994
- हिन्दी भाषा (हरदेव बाहरी) अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिन्दी (सिद्धांत और प्रयोग) दंगल झालदे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
- मानक हिन्दी का स्वरूप (भोलानाथ तिवारी) प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
- रचनात्मक लेखन (सं रमेश गौतम) भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016
- भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका (विद्यानिवास मित्र) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् संस्करण 1978

Semester 3rd

Session: 2025-26

Name of Program	Not to be filled	**Program Code**	Not to be filled
Name of the Course	**भारतीय ज्ञान परंपरा**	**Course Code**	25HND403MI01
Hours per Week	**04**	**Credits**	**04**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**03 Hours**

Note:
Examiner will set nine questions and the candidates will be required to attempt five questions in all. Question number one will be compulsory containing short answer type questions from all units. Further, examiner will set two questions from each unit and the candidates will be required to attempt one question from each Unit. All questions will carry equal marks.

Course Learning Outcomes (CLO):

- विद्यार्थी भारत की गौरवशाली परंपरा से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी भारत की प्राचीन और आधुनिक शिक्षा पद्धति का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के सूत्रों द्वारा आधुनिक जीवन की समस्याओं से मुक्ति का समाधान प्राप्त कर सकेंगे।

Unit 1: भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा
भारतीय ज्ञान परंपरा : अवधारणा और आयाम
भारतीय ज्ञान परंपरा का संक्षिप्त इतिहास
भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता

Unit 2: ज्ञान के रचनात्मक स्रोत संक्षिप्त परिचय
वेद और उपनिषद
पुराण और इतिहास
धर्म–शाख और स्मृति ग्रंथ
रामायण, महाभारत और रामचरितमानस

Unit 3: भारतीय ज्ञान परंपरा के प्राचीन अनुशासन
प्राचीन शिक्षा पद्धति और विद्यापीठ
पर्यावरणीय चेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा
प्राचीन योग पद्धति और आधुनिक जीवन शैली

Unit 4: भारतीय ज्ञान परंपरा के नव्य–दर्शन
नव्य–दर्शन और आधुनिक भारत

स्वामी विवेकानंद नव्य–वेदांत दर्शन और भारत
पंडित दीनदयाल, उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन
श्री अरविंद का जीवन दर्शन और भारत–बोध

- शुक्ल, रजनीश कुमार, भारतीय ज्ञान परंपरा और विचारक, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अग्रवाल, वासुदेवशरण, कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
- द्विवेदी, संजय, भारतबोध का नया समय, यश प्रकाशन, नई दिल्ली।
- Mahadevan, Bhat and Pavana, B., Vinayak Rajat, Nagendra R-N-; Introduction to Indian Knowledge System: Concept and Applications, PHI Learning Private Limited
- गुप्ता, बजरंग लाल, पं. दीनदयाल उपाध्याय व्यक्ति, विचार और समसामयिकता, किताब वाले, दिल्ली।
- दीक्षित, हृदयनारायण, पं. दीनदयाल उपाध्याय : द्रष्टा दृष्टि और दर्शन, अनामिका प्रकाशन, प्रयागराज ।
- शेखर, हिमांशु : स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत, डायमंड पब्लिक बुक्स, नई दिल्ली।
- चौहान, लालबहादुर सिंह, योगसाधक महर्षि अरविंद, दृष्टि प्रकाशन, नई दिल्ली।

Semester **4**

Session: 2025-26

Name of Program	Not to be filled	**Program Code**	Not to be filled
Name of the Course	**प्रवासी हिंदी साहित्य**	**Course Code**	25HND404MV01
Hours per Week	**04**	**Credits**	**04**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**03 Hours**

Note:
Examiner will set nine questions and the candidates will be required to attempt five questions in all. Question number one will be compulsory containing short answer type questions from all units. Further, examiner will set two questions from each unit and the candidates will be required to attempt one question from each Unit. All questions will carry equal marks.

Course Learning Outcomes (CLO):
विद्यार्थी प्रवासी साहित्य के इतिहास एवं उसके विकास की परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
प्रवासी साहित्य के माध्यम से प्रवासी जीवन संदर्भों को समझ सकेंगे।
प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं उससे जुड़े विषयों को जान सकेंगे।

Unit 1: प्रवासी साहित्य का परिचय
प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन का इतिहास
प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन की प्रवृत्तियां

Unit 2: प्रवासी कविताएं
बदलाव – सुधा ओम ढींगरा
मैं ब्रह्म हूँ – दिव्या माथुर
अपनी राह से – पुष्पिता अवस्थी
क्या मैं परदेसी हूं – कमला प्रसाद मिश्र

Unit 3: प्रवासी कहानियां
कब्र का मुनाफा – तेजेंद्र शर्मा
पेड़ – हंसा दीप
लेबनान की एक रात– शैलजा सक्सेना

Unit 4: प्रवासी उपन्यास
लाल पसीना – अभिमन्यु अनत
पॉल की तीर्थयात्रा – अर्चना पैन्यूली

. गोयनका, डॉ. कमल किशोर, हिंदी का प्रवासी साहित्य, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद,

उत्तर प्रदेश।
2. गोयनका, डॉ. कमल किशोर (प्रधान संपादक), प्रवासी साहित्य जोहान्सबर्ग से आगे, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3. आर्य एवं नावरिया, सुषमा एवं अजय (संपादक), प्रवासी हिंदी कहानी एक अंतर्यात्रा, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
4. पांडेय एवं पांडेय, डॉ. नूतन एवं डॉ. दीपक, प्रवासी साहित्य (विश्व के हिंदी साहित्यकारों से संवाद) खंड 1 एवं 2, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. सक्सेना, उषा राजेय ब्रिटेन में हिंदी, मेधा बुक्स, दिल्ली।
6. जोशी, रामशरण (संपादक), भारतीय डायस्पोराः विविध आयाम

Semester 5th

Session: 2026-27

Name of Program	Not to be filled	**Program Code**	Not to be filled
Name of the Course	**हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ**	**Course Code**	26HND405MV01
Hours per Week	**04**	**Credits**	**04**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**03 Hours**

Note:
Examiner will set nine questions and the candidates will be required to attempt five questions in all. Question number one will be compulsory containing short answer type questions from all units. Further, examiner will set two questions from each unit and the candidates will be required to attempt one question from each Unit. All questions will carry equal marks.

Course Learning Outcomes (CLO):
हिंदी सिनेमा की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
हिंदी सिनेमा की विकास–यात्रा के विभिन्न चरणों से परिचित होंगे।
हिंदी सिनेमा में निहित समाज एवं संस्कृति के अंतर्संबंधों के विश्लेषण में समर्थ होंगे।
हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार से परिचित होंगे।

Unit 1: हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय
हिंदी सिनेमा का स्वरूप
हिंदी सिनेमा के प्रमुख चरण मूक सिनेमा, सवाक सिनेमा, रंगीन सिनेमा, ओटीटी सिनेमा
सिनेमा के प्रकार लोकप्रिय व्यावसायिक सिनेमा, समानांतर कला सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा, विश्व सिनेमा

Unit 2: हिंदी सिनेमा का बाजार
सिनेमा : कला अथवा उत्पाद
तकनीक और ब्रांड का बाजार
गीत और संगीत का बाजार
विश्व बाजार में भारतीय सिनेमा

Unit 3: सिनेमा का बदलता स्वरूप
स्वतंत्रतापूर्व हिंदी सिनेमा एवं मूल्यबोध
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी सिनेमा सामाजिक–सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और आर्थिक परिप्रेक्ष्य
वैश्वीकरण और हिंदी सिनेमा रीमेक सिनेमा, सौ करोड़ी सिनेमा, बायोपिक सिनेमा, सीक्वल सिनेमा
क्षेत्रीय सिनेमा का वैश्विक बाजार

Unit 4: फिल्मों का (सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि दृष्टियों से) अध्ययन
पूरब और पश्चिम

मेरा नाम जोकर
जंजीर
दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे
दंगल
बॉर्डर
विशेषः उपरोक्त में से कुछ फिल्में तीन वर्ष के अंतराल पर अकादमिक परिषद की सहमति से बदलीं जा सकतीं हैं।

References

1. मृत्युंजयय हिंदी सिनेमा के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
2. चड्ढा, मनमोहन, हिंदी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. बिसारिया, डॉ. पुनीत, भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
4. ब्रह्मात्मज, अजय, सिनेमा की सोच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. दास, विनोद, भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स, शहादरा, दिल्ली।
6. ओझा, अनुपम, भारतीय सिनेमा सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. राय, अजित, बॉलीवुड की बुनियाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, जय, सिनेमा बीच बाजार, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

Semester **6**th

Session: 2026-27

Name of Program	Not to be filled	**Program Code**	Not to be filled
Name of the Course	**पर्यावरण और हिंदी साहित्य**	**Course Code**	26HND406MV01
Hours per Week	**04**	**Credits**	**04**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**03 Hours**

Note:
Examiner will set nine questions and the candidates will be required to attempt five questions in all. Question number one will be compulsory containing short answer type questions from all units. Further, examiner will set two questions from each unit and the candidates will be required to attempt one question from each Unit. All questions will carry equal marks.

Course Learning Outcomes (CLO):

1. विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।
2. हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त पर्यावरण चेतना को जानेंगे।
3. पर्यावरण और जीव जगत के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

Unit 1: पर्यावरण–चिंतन : अवधारणा का विकास

प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी अवधारणा और महत्त्व
विकास की अवधारणा
विकास की गांधी–दृष्टि
धारणीय (Sustainable) विकास की अवधारणा

Unit 2: हिंदी कविता में प्रकृति

पृथ्वी–रोदन : हरिवंशराय बच्चन
सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

Unit 3: कथा साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण

परती परिकथा (निर्धारित अंश) : फणीश्वर नाथ रेणु
बाबा बटेसर नाथ (निर्धारित अंश) : नागार्जुन
कुइयाँ जान (अंश) : नासिरा शर्मा
नया मन्वंतर (नाटक) – चिरंजीत

References

1. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. भारतीय लोकनाट्य – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
3. भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य–विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, नई

दिल्ली।
4. लखमीचंद ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी ।
5. लोक साहित्य : पाठ और परख–विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा।
6. भिखारी ठाकुर रचनावली – (संपादक) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
7. परंपराशीलनाट्य – जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना ।
8. हमारे लोकधर्मीनाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उयदयपुर, राजस्थान ।
9. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएँ–कपिला वात्स्यायन ।।